04-05-2022

गोल्ड हॉलमार्किंग

समाचार पत्रों मे क्यों ?

सोने के आभूषण और कलाकृतियों (संशोधन) ऑर्डर, 2022 (Hallmarking of Gold Jewellery and Gold Artefacts (Amendment) Order, 2022) में उल्लखित प्रावधानों के अनुसार, 'अनिवार्य हॉलमार्किंग' (Mandatory Hallmarking) का दूसरा चरण 01 जून, 2022 से लागू होगा।

त्वरित मुद्दा ?

- अनिवार्य हॉलमार्किंग के दूसरे चरण में भारतीय मानक आईएस 1417 में उल्लिखित सोने के भूषणों/कलाकृतियों के लिए तीन अतिरिक्त कैरेट अर्थात 20, 23 और 24 कैरेट को शामिल किया जाएगा।
- इस चरण में 32 नए जिलों को शामिल किया जाएगा, जहां पहले चरण के क्रियान्वयन के बाद एक 'परख एवं हॉलमार्क केंद्र' (Assaying and Hallmarking Centres – AHC) स्थापित किया गया है।
- केंद्र सरकार द्वारा यह आदेश 04 अप्रैल, 2022 को अधिसूचित किया गया था।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- भारत सरकार द्वारा 16 जून, 2021 से सोने के आभूषणों की 'अनिवार्य हॉलमार्किंग' को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की घोषणा की गयी थी।
- घोषणा के तहत, पहले चरण में केवल 256 जिलों में ही 'गोल्ड हॉलमार्किंग' (Gold Hallmarking) उपलब्ध कराए जाने तथा और 40 लाख रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार वाले जौहरियों को इस प्रावधान के दायरे में शामिल किया गया था।
- हॉलमार्किंग, बहुमूल्य धातु की वस्तु में उस कीमती धातु के आनुपातिक अंश का सटीक निर्धारण और आधिकारिक रिकॉर्डिंग होती है।
- इस प्रकार, हॉलमार्क, बहुमूल्य धातु की वस्तुओं की उत्कृष्टता या शुद्धता की गारंटी की तरह होता है और कई देशों में आधिकारिक चिह्न के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- भारत में, सोने और चांदी की हॉलमार्किंग योजना का कार्यान्वयन 'भारतीय मानक ब्यूरो' (Bureau of Indian Standard - BIS) द्वारा किया जाता है।
- **हॉलमार्किंग के दायरे में आने वाली धातुएं** – स्वर्ण आभूषण और स्वर्ण निर्मित की कलाकृतियां, चांदी के आभूषण और चांदी की कलाकृतियां।
- भारत सरकार की व्यापार नीति के तहत आभूषणों का निर्यात और पुन:आयात करने वाली इकाइयों को इस व्यवस्था से छूट प्रदान की गई है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के साथ-साथ सरकार द्वारा अनुमोदित बी2बी (व्यापारियों के बीच) घरेलू प्रदर्शनियों के लिये भी इससे छूट होगी।
- सोने की घड़ियों, फाउंटेन पेन्स और कुंदन, पोल्की व जड़ाऊ जैसे गोल्ड आइटम्स के लिए हॉलमार्किंग का प्रावधान नहीं लागू होगा।
- भारत सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। हालांकि, देश में हॉलमार्क वाले गहनों का स्तर बहुत कम है- भारतीय सोने के आभूषणों में से केवल 30% पर ही हॉलमार्क होता है। इसके पीछे मुख्य कारण पर्याप्त 'परख और हॉलमार्किंग केंद्रों' (Assaying and Hallmarking Centres- A&HC) की अनुपलब्धता है।

- अनिवार्य हॉलमार्किंग योजना का मुख्य उद्देश्य मिलावटी सोने से जनता की रक्षा करना और उत्कृष्टता के वैध मानकों को बनाए रखने के लिए निर्माताओं को बाध्य करना है।
- यह उपभोक्ताओं के लिए आभूषणों पर अंकित शुद्धता को प्राप्त करने में भी मदद करेगा।
- यह व्यवस्था पारदर्शिता लाएगी और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता का आश्वासन प्रदान करेगी।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न – भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने किस तिथि से सोने के सभी प्रकार के आभूषणों पर हॉलमार्क लगाना अनिवार्य कर दिया है?

(A) 1 जनवरी, 2017
(B) 5 जनवरी, 2017
(C) 8 जनवरी, 2017
(D) 11 जनवरी, 2017

उत्तर – (A) 1 जनवरी, 2017

सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022

समाचार पत्रों मे क्यों ?

हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2022 सम्मेलन का उद्घाटन किया, जो कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित किया गया।

त्वरित मुद्दा ?

- यह उद्योग संघों के साथ साझेदारी में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (India Semiconductor Mission) द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बल कर रहा है।
- यह सम्मलेन भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और प्रौद्योगिकी विकास के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।
- इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के भीतर एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग है, जिसके पास सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए रणनीति तैयार करने के लिए प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता है।
- मार्च 2022 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को मंजूरी दी।
- इसके तहत कुल वित्तीय परिव्यय 76,000 करोड़ रुपये है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- भारत 1.3 अरब से अधिक भारतीयों को जोड़ने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है।
- भारत 5G, IoT, AI और अन्य तकनीकों में क्षमता विकसित कर रहा है।
- भारत मजबूत आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है और इसके पास दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्टार्टअप इकोसिस्टम है।
- भारत में व्यापार करने में आसानी में सुधार के लिए भारत ने कई सुधार किए हैं।
- भारत 21वीं सदी की जरूरतों के लिए युवाओं के कौशल और प्रशिक्षण में भारी निवेश कर रहा है।
- भारत ने भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को बदलने के लिए कई उपाय किए हैं।
- रूस-यूक्रेन युद्ध ने नियॉन और हेक्साफ्लोरोबुटाडीन गैसों की आपूर्ति को प्रभावित किया है, जो सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण के लिए आवश्यक तत्व हैं।
- यूक्रेन और रूस नियॉन और हेक्साफ्लोरोबुटाडीन गैसों के प्रमुख स्रोत हैं। इस प्रकार, युद्ध के कारण इसकी आपूर्ति बाधित हुई है।

अन्य प्रमुख तथ्य ?

- इस सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर में सेमीकंडक्टर सेंटर बनने और चिप डिजाइन तथा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में काम करना है। इस सम्मेलन में कई उद्योग संघों, अनुसंधान संगठनों और प्रख्यात विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न – हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2022 सम्मेलन का उद्घाटन कहाँ किया –

(A) बेंगलुरु
(B) केरल
(C) मणिपुर
(D) आन्ध्रप्रदेश

उत्तर – (A) बेंगलुरु

KAUTILYA ACADEMY
INDORE